

आज

बेबाक

आतंकिस्तानी विषकन्या फ्लाप पाप सिंगर रॉबी पौरजादा की अक्ल ठिकाने पर आ गई है। कभी सांपो के साथ वीडियो बनाकर भारत को धमकाती थीं। कभी शरीर पर बम बांधकर सुसाईड बांबर बन जाती थीं। कश्मीर से 370 हटने के बाद से भारत के खिलाफ लगातार जहर डगलने वाली इस नागिन ने नागिन डांस कर आतंकिस्तान को नागीस्तान बना दिया था। इमरान की चहेती इस विषकन्या को लगा कि इमरान सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है तो उसने अपने गुनाहों की माफी मांगते हुए मनोरंजन की दुनिया छोड़ने का ऐलान कर दिया। मतलब सूना हो जाएगा मनोरंजिस्तान।

खास खबर

पंचकूला हिंसाः हनीप्रीत को मिल गई जमानत

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को साख्बी रैप केस में दोषी बताए जाने के बाद हरियाणा में भड़की हिंसा के मामले में आरोपी हनीप्रीत को पंचकूला कोर्ट से जमानत मिल गई है। इस मामले में दर्ज एफआईआर में हनीप्रीत पर पूर्व में देशद्रोह की धारा लगाई गई थी। पिछली सुनवाई के दौरान हनीप्रीत पर दर्ज देशद्रोह की धारा हटा ली गई थी। इसके बाद हनीप्रीत ने जमानत मिलने के बाद हनीप्रीत को जेल से रिहा कर दिया गया। बता दें कि पंचकूला की हिंसा के इस मामले में गिरफ्तार की गई हनीप्रीत फिलहाल अंबाला जेल में बंद है। हनीप्रीत को बुधवार को जेल से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। इसके अलावा इस केस के अन्य आरोपियों को प्रत्यक्ष रूप से कोर्ट परिसर में जज के सामने पेश किया गया।

भीमा कोरेगांव हिंसा : 6 आरोपियों की बेल रिजेक्ट

पुणे। भीमा कोरेगांव हिंसा केस में पुणे की सेशन कोर्ट ने 6 आरोपियों की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पूर्व में इस केस के तीन आरोपियों की अर्जी बॉम्बे हाई कोर्ट से खारिज हो गई थी। इसके बाद बुधवार को 6 अन्य आरोपियों की अर्जी को पुणे सत्र न्यायालय ने खारिज कर दिया। जानकारी के अनुसार, पुणे सेशन कोर्ट में आरोपियों शोमा सेन, सुरेंद्र गाडलिंग, रोना विल्सन, सुधीर धवले, वरवरा राव और महेश राउत ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। इन सभी की अर्जियों को कोर्ट ने खारिज कर दिया।



कर्ज में डूबी सरकार, फिर लेगी 1,000 करोड़ उधार!

जनवरी-फरवरी माह में भी कमलनाथ सरकार ले चुकी पांच हजार करोड़ का कर्ज

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कमलनाथ सरकार सत्ता में आने के बाद से लगातार आर्थिक तंगी से जूझ रही है। राज्य सरकार इस बार खुले बाजार से कर्ज ले रही है। एक साल के भीतर कमलनाथ सरकार 16वीं बार कर्ज लेने जी रही है। सरकार बाजार से एक हजार करोड़ का कर्ज ले रही है।

सूत्रों के मुताबिक सरकार दस साल के लिए यह कर्ज ले रही है। इससे पहले 4 सितंबर को दो हजार करोड़ का कर्ज लिया गया था। दरअसल, प्रदेश में लगातार

कर्ज लेने के आंकड़े

11 जनवरी- 1000 करोड़

1 फरवरी- 1000 करोड़

8 फरवरी- 1000 करोड़

22 फरवरी- 1000 करोड़

28 फरवरी- 1000 करोड़

कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। सरकार के

आर्थिक तंगी के कारण विकास कार्यों को पूरा करने में पिछड़ रही है। इस बार एक हजार करोड़ का कर्ज सरकार खुले बाजार से उठा रही है। इसके पीछे सरकार का तर्क है कि विकासकार्यों और जनहित कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए यह कर्ज लिया जा रहा है। बता दें शिवराज सरकार के समय से अब तक प्रदेश पर करीब पौने दो लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। एक साल होने को है लेकिन प्रदेश भर के किसानों का कर्ज अब तक आर्थिक तंगी की वजह से अटका हुआ है।

महाराष्ट्र में आज तय होगी सरकार!

राज्यपाल से मिलेगी भाजपा, शिवसेना ने कसा तंज- बन सके तो बना लो सरकार

नई दिल्ली (ए.)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 15 दिन बाद भी अभी तक यहां सरकार गठन को लेकर कुछ साफ नहीं हो सका है। बीजेपी-शिवसेना के बीच कुर्सी की खींचतान जारी है। ऐसे में एक के बाद एक लगातार बयान दे रहे शिवसेना नेता संजय राउत ने अब कहा है कि- हमने महाराष्ट्र के राज्यपाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के रामदास अठवले ने भी राज्यपाल से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि यदि बीजेपी के नेता कल राज्यपाल से मुलाकात करते हैं तो वे सिंगल लाजेंसट पार्टी हैं, बना लें सरकार, हम तो हमेशा से कहते आ रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र की मौजूदा विधानसभा



पवार बोले, शिवसेना-बीजेपी की ही सरकार

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार ने एक्काबर फिर से सरकार गठन की संभावनाओं को नकार दिया है। शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते कहा, 'हमें सरकार बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। मैं गुरुद्वारा नहीं बनने जा रहा हूँ। शिवसेना के साथ मिलकर सरकार बनाने की बात कहां से आती है? बीजेपी और शिवसेना का 25 साल से गठबंधन है और उन्हें ही सरकार बनानी चाहिए। महाराष्ट्र की जनता ने हमें जो आदेश दिया है उसके आधार पर कांग्रेस, एनसीपी विपक्ष में बैठेंगी। सरकार बनाने पर जो भी गतिरोध है उसे दूर करना चाहिए और सेना और बीजेपी को सरकार बनानी चाहिए।'

एक हफ्ते में 45 फीसदी बढ़े प्याज के दाम

नई दिल्ली। देश में प्याज के दाम बढ़ते ही जा रहे हैं। महाराष्ट्र के लासलगांव स्थित प्याज की सबसे बड़ी मंडी में इसकी कीमतों में जोरदार उछाल आया है। हालांकि सरकार ने लगातार बढ़ती आपूर्ति की वजह से दामों में गिरावट को लेकर भरोसा जताया था। लेकिन इसके महज दो दिन बाद यानी सोमवार को लासलगांव मंडी में प्याज की कीमतें 10 फीसदी बढ़ गईं। दिल्ली में पिछले एक हफ्ते में प्याज का खुदरा मूल्य 45 प्रतिशत बढ़कर 80 रुपये किलो पहुंच गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक अक्टूबर को प्याज का भाव 55 रुपये किलो था। आंकड़ों के मुताबिक प्याज की कीमतों में पिछले साल की तुलना में करीब तीन गुना वृद्धि हुई है। नवंबर 2018 में खुदरा बाजार में प्याज का भाव 30-35 रुपये किलो था। इस बीच, सरकार ने अफगानिस्तान, मिस्र, तुर्की और



ईरान से प्याज के निजी आयात की सुविधा देने का फैसला किया है। अधिकारी ने कहा कि निजी व्यापारियों ने सरकार को बताया कि आयातित प्याज के 80 कंटेनर भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुके हैं और 100 कंटेनरों को समुद्री मार्ग से भारत भेजा जा सकता है।

सरकार ने की बैठक

केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने प्याज की कीमतों में तेजी आने के बाद बुधवार को उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की।

अयोध्या : फैसले से पहले पुलिस मुस्तैद, 34 संवेदनशील जिलों में डीजीपी का निर्देश

लखनऊ (ए.)। सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या विवाद पर फैसले की घड़ियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही हैं, उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था कायम रखने वाली एजेंसियां भी पूरी तरह से मुस्तैद हो रही हैं। पुलिस वाहनों की मरम्मत की जा रही है, हथियारशालाओं का दोबारा दौरा कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ये अंतिम समय में धोखा ना दे जाएं और जन सवाद

प्रणाली का भी परीक्षण किया जा रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हमारे लिए यह जरूरी है कि वाहन और जन सवाद सिस्टम सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील स्थानों पर स्थापित हों। इससे ना सिर्फ अप्नाहें फैलने से रोकने में बल्कि भीड़ पर नियंत्रण करने में भी सफलता मिलेगी। अफवाहों और अनियंत्रित भीड़ स्थिति को भयावह बना सकते हैं,

सरकार का हाउसिंग सेक्टर को मिलेगी 25 बड़ा ऐलान हजार करोड़ रुपये की मदद

नई दिल्ली । सरकार ने रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी राहत देने का फैसला किया है। कैबिनेट ने 10 हजार करोड़ के स्पेशल फंड को मंजूरी दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा कि सरकार एक स्पेशल फंड बना रही है, जिसमें सरकार 10 हजार करोड़ का योगदान देगी। यह फंड कुल 25 हजार करोड़ का होगा, जिसमें एलआईसी और एसबीआई भी सहयोग करेंगे। बाद में और भी संस्थान जुड़ सकते हैं। बता दें कि मंगलवार को ही वित्त मंत्री ने



कहा था कि अब आर्थिक सुधारों के कदम तेजी से उठाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार एक स्पेशल फंड बनाएगी जिसमें सरकार का योगदान 10 हजार करोड़ का होगा।

वित्त मंत्री ने कहा है कि सरकार एक स्पेशल फंड बनाकर 10 हजार करोड़ रुपये का देगी योगदान

'इस फंड के द्वारा एक अकाउंट में पैसे जमाकर अपूर्ण प्रॉजेक्ट को लागू दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुरुआत में यह अकाउंट एसबीआई के पास होगा। सीतारमन ने कहा, 'रेरा' में जो भी इनकंप्लीट प्रॉजेक्ट है उनको एक प्रोफेशनल अप्रोच के तहत सहयोग दिया जाएगा। उन्हें आखिरी स्ट्रेज तक मदद दी जाएगी। यानी अगर 30 प्रतिशत काम अधूरा है तो जबतक प्रॉजेक्ट पूरा नहीं होगा, उन्हें मदद दी जाएगी ताकि होम बायर को जल्दी से जल्द मकान हैड ओवर हो जाए।

दस हजार रुपये लेते रंगे हाथों धराया जनपद एई

ग्वालियर। लोकायुक्त पुलिस ने जनपद पंचायत मुरार कार्यालय में पदस्थ एई को 10 हजार रुपए की रिश्तत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। मामला सीसी रोड के निर्माण से जुड़ा है जिसकी स्वीकृति के लिए एई रिश्तत की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत मुरार के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत गुरी की सरपंच लक्ष्मी देवी पति मोहर सिंह द्वारा 4 नवंबर को लोकायुक्त ग्वालियर में शिकायत की थी कि जनपद पंचायत मुरार में पदस्थ एई अनिल कुमार शुक्ला गांव में 23 लाख रुपए कीमत की 800 मोटर सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति के लिए 50 हजार रुपए की रिश्तत की मांग कर रहे हैं। मोहर सिंह के मुताबिक एई शुक्ला पिछले कई महीनों से सड़क का इस्टीमेट नहीं बना रहे थे।

इन्दौर-दुबई फ्लाइट शुरू करने पर निर्णय शीघ्र



भोपाल। मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दुबई में एमीरेट्स एयरलाइन समूह के चेयरमैन और सीईओ एच.एच. शेख अहमद बिन सईद अल मखदूम से भेंट कर इन्दौर-दुबई के लिये एमीरेट्स फ्लाइट चालू करने पर चर्चा की। एच.एच. शेख मखदूम द्वारा इस संबंध में शीघ्र निर्णय करने का आश्वासन दिया गया। एयरलाइन मुख्यालय में हुई इस भेंट के दौरान मुख्य सचिव एस.आर. मोहनजी और प्रदेश के अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस भेंट के दौरान मुख्यमंत्री श्री कमल नाथ और एच.एच. शेख मखदूम के बीच एमीरेट्स समूह द्वारा मध्यप्रदेश में लाजिस्टिक हब के निर्माण पर भी विस्तार से बात हुई।

विस चुनाव : झारखंड में 62 प्रतिशत विधायक दागदार

नई दिल्ली । झारखंड विधानसभा के 79 विधायकों में से 49 यानी 62 प्रतिशत विधायक आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं और उनमें से 38 के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं।

भारतीय जनता पार्टी के मनीष जायसवाल सबसे अमीर विधायक हैं और उनकी कुल संपत्ति 18 करोड़ रुपए से ज्यादा है जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर कांग्रेस के देवेंद्र कुमार सिंह तथा आलमगीर आलम हैं जिनकी कुल संपत्ति 10 करोड़ और छह करोड़ रुपए से अधिक है। ए.एस.एस.एन. फार डेमोक्रेटिक रिफार्म तथा झारखंड इलेक्शन वाच की एक रिपोर्ट के अनुसार भाजपा के 36 विधायकों में से



11 आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं जबकि कांग्रेस के आठ विधायकों में से पांच आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के 18 विधायकों में से 11 आपराधिक पृष्ठभूमि हैं। झारखंड विकास मोर्चा के आठ में से पांच विधायक

आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान विधायकों में से तीन के खिलाफ हत्या के मामले दर्ज हैं जबकि 10 के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 79 में से 41 यानी 52 प्रतिशत करोड़पति हैं जिनमें भाजपा के 21 तथा झामुमो के नौ, कांग्रेस के पांच तथा जामिनी के तीन सदस्य करोड़पति हैं। इन विधायकों की औसत संपत्ति 1.84 करोड़ रुपए है। विधानसभा के नौ सदस्यों ने अभी तक अपनी आय घोषित नहीं की है इनमें अमित कुमार मंडल की कुल संपत्ति पांच करोड़ 49 लाख से ज्यादा है लेकिन उन्होंने आयकर फाइल नहीं किया है। हमपनामों में 28 विधायकों ने अपनी शिक्षा के बारे में जानकारी दी है और उनकी शिक्षा आठवीं से 12वीं उतीर्ण है जबकि 50 विधायक सातक हैं।

एजेएसयू की 'डबल डिजिट' डिमांड! बीजेपी असमंजस में

रांची (ए.)। झारखंड में चुनावी रणभेरी बजने के साथ ही सभी राजनीतिक दलों ने संग्राम के लिए राजनीतिक योद्धाओं की तलाश तेज कर दी है। अभी तक जो स्थिति उभरी है, उसमें यह माना जा रहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी दलों के महागठबंधन के बीच आमने-सामने की लड़ाई होगी। लेकिन दोनों गठबंधन सीटों की दावेदारी से परेशान हैं। सत्ताधारी बीजेपी की सहयोगी पार्टी ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनिशन (AJSU) ने भी 'डबल डिजिट' का दावा कर बीजेपी को चुनाव के पहले असमंजस में डाल दिया है।



बीजेपी सूत्रों की मानें तो पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव की तर्ज पर सीटों का बंटवारा चाहती है, जिसे एजेएसयू ने सीधे तौर पर नकार दिया है। एजेएसयू के नेता कहते हैं कि पिछले पांच सालों के बीच काफी कुछ बदलाव

आया है। पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो कहते हैं कि 2014 में स्थिर सरकार देने के लिए एजेएसयू ने बड़ी कुर्बानी दी थी। इस बार बीजेपी से नए सिरे से सीटों को लेकर बातें करनी होंगी। उन्होंने कहा कि इस बार सीट बंटवारे को लेकर प्रदेश बीजेपी के नेताओं के साथ उनका मंथन जारी है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि अभी तक बात नहीं बनी है, अब सीटों के बंटवारे को लेकर दिल्ली के साथ बात होनी है। इस बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुआ ने कहा कि बीजेपी पिछले चुनाव की तर्ज पर 72 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पुलिस बनाम वकील: हाई कोर्ट ने खारिज की रित्यू पिटिशन

दु वकीलों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने वकीलों के खिलाफ कार्रवाई पर अपने रुख को न बदलते हुए बुधवार को दिल्ली पुलिस को झटका दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि वकीलों ने खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की दूसरी अर्जी भी खारिज कर दी गई है। इसमें साकेत कोर्ट वाली घटना पर एफआईआर दर्ज करने की मंजूरी मांगी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि 3 नवंबर के आदेश में स्पष्टीकरण की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वह अपने आप में स्पष्ट है।

चीफ जस्टिस डी. एन. पटेल और जस्टिस सी. हरि शंकर ने 3 नवंबर के आदेश पर स्पष्टीकरण की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आदेश अपने आप में पूरी तरह स्पष्ट है। केंद्र ने अपनी याचिका में



दु तीस हजारी कांड पर 3 नवंबर के आदेश की समीक्षा की मांग वाली दिल्ली पुलिस की याचिका हाई कोर्ट में खारिज

दु हाई कोर्ट ने समीक्षा याचिका खारिज करते हुए कहा कि फैसला जसा का तस है, वकीलों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं

कहा था कि 3 नवंबर का वाला आदेश तीसहजारी मामले के बाद की घटनाओं पर लागू नहीं होना चाहिए।

सुनवाई के समय कोर्टरूम खचाखच भरा हुआ था। दरअसल, 3 नवंबर के आदेश के बाद दिल्ली के साकेत कोर्ट के बाहर एक ऑन-

ड्यूटी पुलिसकर्मी और एक सिविलियन की सोमवार और मंगलवार को वकीलों ने पिटायी थी। इस संबंध में पुलिस ने 2 अलग-अलग शिकायत दर्ज की है। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें साकेत

'हमला करनेवाला वकील है या नहीं..पता नहीं'

कोर्ट में साकेत कोर्ट के विडियो का मामला भी उठा। विडियो में एक शख्स पुलिसवाले को पीट रहा था। उस शख्स को वकील बताया गया था। कोर्ट में वकील पक्ष ने कहा कि हम हमला करने वाले वकील को नहीं जानते। वह वकील है या नहीं पता नहीं।

कोर्ट की घटना के संबंध में वकीलों के खिलाफ सख्त दर्ज करने की इजाजत मांगी थी।

सुनवाई में वकीलों की तरफ से दिल्ली पुलिस पर नए आरोप लगाए गए हैं। कहा गया है कि सीनियर पुलिसवालों ने वकीलों के लिए गलत भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसपर ऐक्शन हो। वकील पक्ष ने उस वकील को पहचानने से भी इनकार किया जिसका विडियो वायरल हुआ था।

मंदी को लेकर प्रियंका ने मोदी पर साधा निशाना



नई दिल्ली, । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आर्थिक मंदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि विदेशों में जाकर देश में सब कुछ ठीक है कहने से असलियत छुपाने नहीं जा सकती है और न ही इससे स्थिति में सुधार होने वाला है। श्रीमती वाझ ने ट्वीट किया, विदेशों में जाकर सब चंगा सी कहने से सब ठीक तो नहीं हो जाएगा। नामी-निरामी कम्पनियों ने कर्मचारियों को निकालना शुरू कर दिया है। चंगा सी बोलने वाले हैं, एकदम चुप सी। क्यों? मोदी सरकार पर बेरोजगारी को लेकर लगातार हमला कर रही श्रीमती वाझ ने इस ट्वीट के साथ ही एक खबर पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि कोर्पिजेंट के बाद इंप्रेसिस भी करेगा 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी।

लदाख के उप राज्यपाल माथुर मिले मोदी से



नई दिल्ली । नये केन्द्र शासित प्रदेश लदाख के उप राज्यपाल आर के माथुर ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पूर्व नौकरशाह श्री माथुर ने 31 अक्टूबर को लदाख के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद वहां के पहले उप राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि श्री माथुर ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने लदाख के केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद

की स्थिति और इस निर्णय से होने वाले बदलावों के संदर्भ में प्रधानमंत्री से बात की। मुलाकात के दौरान क्षेत्र के विकास से जुड़ी परियोजनाओं और केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के बारे में भी चर्चा हुई। लदाख की अपनी विधानसभा नहीं है और वहां का शासन सीधे केन्द्र के मातहत रहेगा। इससे पहले श्री माथुर ने गत शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

सज्जन के स्वास्थ्य पर चार हफ्ते में रिपोर्ट पेश करें एम्स : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे तिहाड़ जेल में बंद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को बुधवार को उच्चतम न्यायालय से राहत नहीं मिली। शीर्ष न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान(एम्स) से उनके स्वास्थ्य पर चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायाधीश एस अब्दुल नजीर और न्यायाधीश कृष्ण मुरारी ने आज सज्जन कुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। पीठ ने एम्स के निदेशकों को डॉक्टरों का एक चिकित्सक बोर्ड बनाने को कहा है। शीर्ष न्यायालय ने चिकित्सकों के दल की जांच की रिपोर्ट चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अक्टूबर दिसम्बर को दिल्ली उच्च

भारत का एक और ताकतवर कदम अब पानी के अंदर से परमाणु मिसाइल दागेगा डीआरडीओ

भुवनेश्वर (ए.)। पनडुब्बी के अंदर से दुश्मन पर सटीक निशाना लगाने के लिए भारत एक और मिसाइल का परीक्षण करने जा रहा है। शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के तट पर 3500 किलोमीटर स्ट्राइक रेंज वाली इस के-4 परमाणु मिसाइल का परीक्षण किया जाएगा।

परीक्षण के दौरान भी मिसाइल को पानी के अंदर से ही दागा जाएगा। बता दें कि इस मिसाइल सिस्टम को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया जा रहा है।

भारत द्वारा विकसित की जा रही अरिहंत क्लास की परमाणु पनडुब्बियों पर इस सिस्टम को लगाया जाएगा। भविष्य में यह सिस्टम और अरिहंत पनडुब्बियां भारत के परमाणु अभियान का अहम हिस्सा होंगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को डीआरडीओ विशाखापत्तनम तट से पानी के नीचे स्थित प्लेटफॉर्म से इस मिसाइल का टेस्ट फायर करेगा। इसमें मिसाइल के अडवांस सिस्टम का परीक्षण



अंडरवाटर मिसाइल तैयार कर रहा है डीआरडीओ

आपको बता दें कि के-4 उन दो अंडरवाटर मिसाइलों में से एक है, जिसे भारत द्वारा विकसित किया जा रहा है। दूसरा मिसाइल 700 किलोमीटर रेंज का है, जिसे बीओ-5 कहा जाता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि शुक्रवार को डीआरडीओ मिसाइल की पूरी रेंज पर टेस्ट करेगा या कत रेंज पर ही इसे फायर किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, एयरबैन नॉटिस और मरीन सर्विसेज को लंबी रेंज वाले मिसाइल के टेस्ट संबंधी विवरणों जांची गई है। आपको यह भी बता दें कि इस मिसाइल का परीक्षण पिछले महीने ही होना था लेकिन किसी कारणों से इसे टाल दिया गया था।

किया जाएगा। आने वाले दिनों में डीआरडीओ अनिन-3 और ब्रह्मोस मिसाइलों का परीक्षण भी करने वाला है। सरकारी सूत्रों ने यह भी बताया कि के-4 मिसाइल का टेस्ट फ्लिहाल पानी के अंदर

बने एक पॉन्टून से किया जाएगा क्योंकि अभी मिसाइल का परीक्षण किया जाना बाकी है। पनडुब्बी से इसकी लॉन्चिंग तभी की जाएगी, जब यह लॉन्चिंग के लिए पूरी तरह तैयार होगा।

प्रदूषण पर सुझाव पराली से होने वाले प्रदूषण पर दिल्ली के सीएम ने दी नसीहत

केजरीवाल बोले- सब साथ आएँ, पराली से बनाएंगे सीएनजी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह बताई जाने वाली पराली के संदर्भ में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल एक सुझाव लेकर आए हैं। केजरीवाल का सुझाव है कि इस पराली से सीएनजी बनाई जाए। उनके मुताबिक, यह तकनीक और आर्थिक दोनों हिसाब से मुमकिन है। केजरीवाल ने इसके लिए सभी सरकारों (राज्य) को साथ आने को कहा। बता दें कि इससे पहले भी पराली से सीएनजी बनाए जाने पर विचार किया गया था। उसपर काम भी शुरू हो चुका है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लिखा, 'आज मेरी एक्सपर्ट से मीटिंग हुई थी। पराली से सीएनजी बनाना तकनीकी और आर्थिक रूप से संभव है। इससे



नौकरियां, किसानों को अतिरिक्त कमाई होगी। साथ ही सालाना तौर पर होने वाली प्रदूषण की समस्या भी कम होगी। हालांकि, इसके लिए सभी सरकारों को मिलकर काम करना होगा।'

पारली के धुएँ से दिल्ली में फैलने वाले प्रदूषण से लोगों को राहत दिलाने के लिए करनाल में एक प्लांट लगाया जा रहा है। ऐसी

सीएनजी के साथ दो अन्य गैस बन सकती हैं

उस प्लांट को ऑल इंडिया पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रधान अजय बंसल द्वारा कई कंपनियों की पार्टनरशिप में लगाया जा रहा है। प्लांट अगले साल मई से काम करना शुरू कर देगा। इसके लिए मशीनें जर्मनी से इंपोर्ट की जाएंगी। प्लांट में आसपास के 10-15 गांवों के खेतों की पराली जलाने से गैस का सकेगा। किसानों से उनकी खेतों में खड़ी पराली को लेकर प्लांट में लाया जाएगा। जहां उसे विभिन्न बैटिरिया से गलाकर पाउडर में बदला जाएगा। पाउडर बनने के बाद इससे सीएनजी समेत दो अन्य गैसों का भी उत्पादन होना शुरू हो जाएगा।

खबरें अक्टूबर में आई थी। जर्मनी तकनीक वाले उस प्लांट में पराली से सीएनजी बनाई जाएगी। इसके बाद इस सीएनजी को आसपास के गांवों के ट्रैक्टरों में इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए 12 ट्रैक्टरों को सीएनजी में कन्वर्ट किया गया है। संभवतः देश में यह पहले सीएनजी ट्रैक्टर होंगे। जो सीएनजी से चलेंगे। बताया

एक प्लांट से हर दिन 10

हजार किलो सीएनजी का उत्पादन

प्लांट में 100 टन पराली से बने पाउडर से हर दिन 10 हजार किलो सीएनजी का उत्पादन किया जाएगा। शुरू में इस सर्कल को शुरू होने में एक महीने का वक्त लगेगा। फिर हर दिन प्लांट में 100 टन पराली डालते जाएंगे और 10 हजार किलो सीएनजी का उत्पादन होता रहेगा। इस सीएनजी को उन किसानों को सस्ती दरों पर बेचा जाएगा। जिनकी पराली प्लांट में लाई जाएगी। इससे खेतों में खड़ी पराली जलाने से जहां प्रदूषण नहीं फैलेगा। वहीं पराली से बनी सीएनजी सस्ती दरों पर किसानों को मिलेगी। इसके लिए किसानों के कार्ड भी

करोड़पति कारोबारी का बेटा होटल में धो रहा था प्लेटें

वडोदरा (ए.)। 14 अक्टूबर को गुजरात के वडोदरा जिले के पाडरा कस्बे के करोड़पति तेल कारोबारी का बेटा द्वारकेश ठक्कर वसाड में अपने इंजिनियरिंग कॉलेज के लिए घर से निकला था। उसके परिवार के पास संदेह करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन जब वह कॉलेज से घर नहीं लौटा तो परिजन पुलिस के पास पहुंचे। तपतीश के दौरान पुलिस को दो सुरंग मिले। पहला वडोदरा रेलवे स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज और दूसरा एक ऑटो रिकशा ड्राइवर जिसने द्वारकेश को छोड़ा था।



होटल मैनेजर के फोन ने मामले को नया मोड़ दे दिया। होटल मैनेजर ने बताया कि 19 साल का एक युवक उनके होटल में बर्तन धुलता है। दरअसल द्वारकेश को पढ़ाई में दिलचस्पी नहीं थी लेकिन वह परिजनों के सामने अपनी क्षमता को साबित करना चाहता था। इस वजह से उसने एक ऐसा रास्ता चुना, जिसकी कल्पना पुलिस ने भी नहीं की थी। घर से कॉलेज

निकलने की बात कहकर वह शिमला भाग गया और यहां नौकरी के लिए उसने एक होटल में संपर्क किया।

होटल मैनेजर ने फोन से मामले का हुआ खुलासा

इंस्पेक्टर एएस करमूर का कहना है कि द्वारकेश का परिचय पत्र देखने के बाद मैनेजर ने उसका बैंकग्राउंड चेक करने के लिए पाडरा पुलिस स्टेशन में फोन किया और यहीं से सारे मामले का पता चला। मैनेजर ने द्वारकेश की तस्वीर पुलिस वालों को भेजी। पुलिस ने इसको वेरिफाइ किया और इंस्पेक्टर करमूर ने दो कॉन्टेक्टबल संजय सिंह गोहिल और भूपेंद्र सिंह महिडा से संपर्क किया।

राज्य में अब गाय का इलाज करवाने के लिए भी देना होगी फीस

शिवराज ने इसे शर्मनाक कदम बताया

पशु संजीवनी की मुफ्त सेवा बंद, मवेशी के इलाज के लिए देना होंगे 100 रुपए

पिछले साल 2 अक्टूबर को तत्कालीन शिवराज सरकार ने पशु संजीवनी योजना शुरू की थी

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश में अब गायों के इलाज के लिए पशुपालकों को फीस चुकाना होगी। सरकार ने पशु संजीवनी योजना के अंतर्गत दी जाने वाली मुफ्त सेवा बंद कर इसकी 100 रुपए फीस तय कर दी है। एक मवेशी के इलाज के लिए उसके मालिक को यह राशि अदा करना होगी। इधर,पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कमलनाथ सरकार इस



कदम को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि मुफ्त पशु संजीवनी योजना में फीस का प्रावधान कर पशुपालकों,गौ माता व अन्य बेजुबान जानवरों के साथ भी अन्याय किया है। इलाज के अभाव में कई बेजुबान असमय मारे जाएंगे। इस तरह से पशुओं के आधार पर इलाज की राशि की गणना

होगी। अब तक घर पहुंच कर दी जाने वाली यह सेवा निशुल्क थी। फीस तय होने से पशुपालकों को इलाज किए गए पशुओं के हिसाब से रकम अदा करना होगी। इधर, विभाग के अधिकारियों की दलील है कि लोग मामूली समस्याओं के लिए कॉल करते थे इसलिए फीस रखी गई है।

शिवराज सरकार ने शुरू की थी संजीवनी सेवा

पिछले साल 2 अक्टूबर को तत्कालीन भाजपा सरकार ने पशु संजीवनी योजना शुरू की थी। इसके तहत काल सेंटर के नंबर 1962 पर काल कर आकस्मिक और घर पहुंच पशु चिकित्सा सेवा शुरू की गई थी। पशु संजीवनी के नंबर पर कॉल करने पर वाहन से डॉक्टर काल लगाने वाले व्यक्ति के घर पहुंचते थे और पशुओं का निशुल्क इलाज करते थे। प्रदेश में 3।3 पशु संजीवनी वाहन हैं जिन में डॉक्टर और उनके सहायक तैनात रहते हैं। कॉल आने पर वे जानवरों का इलाज करने जाते हैं।

अब देना होगी फीस

पशुपालन विभाग ने 1962 पशु संजीवनी सेवा को फीस तय कर दी है। इसे एक नवंबर से प्रभावी भी कर दिया गया है।

पशुपालकों के मुताबिक अब तक अगर उनके अगर पांच गाय-भैंस बीमार होती थी तो उनका डॉक्टर घर पहुंचकर मुफ्त इलाज करते थे। लेकिन अब उन्हें प्रति पशु 100 रुपए के हिसाब से फीस देना होगी। पांच जानवरों की फीस 500 रुपए हो जाएगी। खास बात यह है कि जिला रोगी पशु कल्याण समिति की रसीद बुक से शुल्क प्राप्ति की रसीद पशुपालक को दी जाएगी।

पहले ही ध्यान नहीं अब और नहीं देंगे

इस संबंध में विभाग के ही कुछ अधिकारी सवाल खड़े कर रहे हैं। उनका मानना है कि प्रदेश में गायों को यू ही छोड़ा जा रहा है। अब तक मुफ्त इलाज मिलता था तो फिर भी पशुपालक उन्हें रख लेते थे। अब अगर उन्हें इसकी फीस देना होगी तो गायों का ढंग से इलाज भी नहीं करवाएंगे। ऐसी स्थिति में गायों की स्थिति और खराब हो जाएगी।

टाइगर रिजर्व एरिया में लगे चमत्कारी महुआ के पेड़ को देखने पहुंच रहे लाखों लोग

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश का सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में लगे महुआ पेड़ को पूजने के लिए दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। इस वजह से यह संवेदनशील वन क्षेत्र मेला ग्राउंड में तब्दील हो गया है जो ईकोसिस्टम के लिए किसी खतरे से कम नहीं है। रविवार और बुधवार को यह भीड़ लाखों की संख्या तक पहुंच जाती है जिससे स्थानीय वन विभाग के कमचारी और पुलिसकर्मियों को स्थिति संभालने के लिए सामने आना पड़ता है। कुछ लोग तो पेड़ की छल तक घर ले जाकर पूजा कर रहे हैं। रोजाना करीब 10 हजार से अधिक लोगों का हजूम यहां इकट्ठा रहता है। कुछ लोग यहां



अपनी गंभीर बीमारी के ठीक होने की उम्मीद लेकर आते हैं तो कुछ मुराद मांगने आते हैं। कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि इस पेड़ को छूने से बीमारी नहीं होती, तो कुछ सिर्फ उत्सुकता के लिए इस पेड़ को देखने आते हैं। स्थानीय एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी ने बताया, जिस तरह से हर दिन लोगों की संख्या में

इजाफा हो रहा है कुछ करने की जरूरत है। जंगल के अंदर कोई अनहोनी भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के दौरान, वॉट्सऐप पर ऐसा मेसेज बायरल हुआ कि इस पेड़ में जादुई शक्तियां आते हैं। शुरुआत में लोग सिर्फ जिज्ञासावश इसे देखने के लिए आते थे, धीरे-धीरे यह बड़ी भीड़ में

तब्दील हो गया।

जंगल में घुस रहा अगवन्ती का धुआं

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व 524 वर्ग किमी तक फैला हुआ है। बेरी और पचमढ़ी वाइल्डलाइफ सेंचुरी भी इससे लगा हुआ है, जिस वजह से यह 2200 वर्ग किमी का सेंट्रल इंडियन हाईलैंड इकोसिस्टम बनाता है। इस पेड़ की खोज के बाद लाखों अगवन्तियों का धुआं जंगल में प्रवेश कर रहा है जिससे यहां के पेड़ों और वनस्पतियों को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं जानवरों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर हो रहा है। वन विभाग के सदस्य लोगों को लगातार बता रहे हैं कि इस पेड़ में ऐसी कोई जादुई शक्ति नहीं है, यह एक मिथक है लेकिन फिर भी लोग मान नहीं रहे

मध्यप्रदेश में बुजुर्गों की सेवा- सम्मान के खातिर कारोबारियों ने छोड़ा मुनाफा

भोपाल। मध्यप्रदेश में बुजुर्गों की सेवा और सम्मान की खातिर सैकड़ों कारोबारी और दुकानदारों ने अपना मुनाफा छोड़ने का एलान किया है। अध्यात्म विभाग द्वारा संचालित राज्य आनंद संस्थान की पहल पर प्रदेश के कई जिलों में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने बुजुर्ग ग्राहकों के साथ %नो प्रॉफिट-नो लॉस% में व्यवसाय करने का निर्णय किया है। इसके लिए इन प्रतिष्ठान संचालकों ने शासन को घोषणा पत्र भी सौंपा है। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में राज्य आनंद संस्थान ने अपने 50 हजार आनंदकों के माध्यम से यह मुहिम शुरू की है। इसके तहत समाज के बुजुर्ग नागरिकों के प्रति सम्मान दिखाने एवं उन्हें स्पेशल फीलिंग का

अहसास कराने करीब 700 व्यापारी-कारोबारियों ने अपना मुनाफा छोड़ने का निर्णय किया है। ऐसा उन्होंने अपने आनंद और आध्यात्मिक संतुष्टि के लिए किया है। एक अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर कुछ अलग और सार्थक प्रयास करने के लिए आनंद संस्थान ने भोपाल से यह शुरुआत की, जिसे अन्य शहरों के कारोबारियों ने भी हाथों-हाथ लिया और सहर्ष अपनी ओर से यह एलान कर दिया कि वे बुजुर्ग ग्राहकों से मुनाफा नहीं लेंगे। मध्यप्रदेश के बड़े शहर इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन के अलावा विदिशा, बड़वानी और मंडला जैसे छोटे शहरों में भी बड़ी संख्या में व्यापारियों ने यह घोषणा कर दी।

कर्मचारियों के डीए पर निर्णय नहीं, सीएम सचिवालय से वापस लौटी फाइल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। केन्द्रीय कर्मचारियों को 5 प्रतिशत अतिरिक्त डीए की घोषणा के 25 दिन भी राज्य सरकार अपने कर्मचारियों के बारे में फैसला नहीं कर पाई है। हालांकि वित्त विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री सचिवालय भेजा था, लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तताओं के चलते इस पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। सीएम सचिवालय ने यह फाइल वित्त विभाग वापस भेज दी है। अब मुख्यमंत्री के स्वदेश लौटने के बाद इस पर फैसला होने की संभावना है। वित्त विभाग ने अक्टूबर माह में राज्य कर्मचारियों को तीन प्रतिशत अतिरिक्त डीए देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया था। राज्य सरकार इस पर कोई निर्णय लेती इसके पहले ही केन्द्र सरकार

ने केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए पांच प्रतिशत अतिरिक्त डीए देने का एलान कर दिया। इससे सरकार का गणित गड़बड़ा गया, क्योंकि खजाने की आर्थिक सेहत ज्यादा अच्छी नहीं है। किसी तरह तीन प्रतिशत डीए के लिए राशि का प्रबंध किया गया था। अब दो प्रतिशत अतिरिक्त प्रबंध के लिए माथापच्ची करना पड़ रही है। सूत्रों का कहना है कि वित्त विभाग ने दोबारा प्रस्ताव तैयार किया जिस पर अधिकारी-कर्मचारियों के लिए पांच प्रतिशत अतिरिक्त डीए दिए जाने का जिम्मा था। राज्य सरकार ने हाल ही में अखिल भारतीय सेवा के अफसरों के लिए पांच प्रतिशत डीए तो कर दिया लेकिन राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों का मामला फिर अटक गया।

समीक्षा



भोपाल (नवप्रदेश) । परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंत्रालय में परिवहन विभाग के लंबित कार्यों की समीक्षा की ।

संकट

संकट में मुख्यमंत्री कन्यादान और निकाह योजना, यह है कारण

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। दो दिन बाद (देवउठनी ग्यारस से) शुरू होने वाले विवाह मुहूर्तों में सरकारी शिदियों (मुख्यमंत्री कन्यादान एवं निकाह योजना) पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। सामाजिक न्याय विभाग ने पुरानी देनदारी चुकाने के लिए शासन से राशि की मांग की तो वित्त विभाग ने साफ इनकार कर दिया। अब पुराने पैसों के साथ नई शिदियों की तैयारियों को लेकर भी दिक्रत खड़ी हो गई है, क्योंकि जोड़ों को दिए जाने वाले 51 हजार रुपए में से तीन हजार रुपए कार्यक्रम पर



खर्च किए जाना हैं। जब राशि ही नहीं मिलेगी तो कार्यक्रम कैसे करवाए जाएंगे। हालांकि विभाग ने

मुहूर्त के हिसाब से वैवाहिक कैलेंडर तैयार कर लिया है, जो अनुमोदन के लिए प्रमुख सचिव को भेजा गया

है। आठ नवंबर को देवउठनी ग्यारस है। इसके साथ ही हिंदू समाज में शिदियां शुरू हो जाएंगी। विभाग सामूहिक विवाह कार्यक्रमों की तैयारियों में तो जुट गया है, लेकिन कार्यक्रम की तैयारियों और फिर वैवाहिक बंधन में बंधने वाले जोड़ों को देने के लिए राशि का इंतजाम नहीं हो पा रहा है।

अगले साल अश्वय तृतीया पर बड़े स्तर पर विवाह कार्यक्रम करवाने की संभावना के चलते विभाग के अफसरों का अनुमान है कि इस बार 55 से 60 हजार जोड़ों के विवाह करवाने होंगे। इतने जोड़ों के लिए राशि का इंतजाम करना

सरकार के लिए भी चुनौती होगी। हालांकि सामाजिक न्याय संचालनालय के कैलेंडर के मुताबिक नौ सामूहिक विवाह व नौ निकाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

102 करोड़ नहीं दे पा रही सरकार

सरकार करीब 20 हजार जोड़ों को देने के लिए 102 करोड़ रुपए विभाग को नहीं दे पा रही है। विभाग ने हाल ही में सरकार से राशि की मांग की थी, तो वित्त विभाग ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए राशि देने से

इनकार कर दिया। यह जोड़े सात माह से राशि मिलने का इंतजार कर रहे हैं। यह शिदियां एवं निकाह दिसंबर 2018 से जुलाई 2019 के बीच करवाए गए हैं। सरकार को प्रत्येक जोड़े को 48 हजार रुपए नकद देना है। ज्ञात हो कि नवंबर 2018 से सितंबर 2019 तक सरकार ने 42 हजार शिदियां करवाई हैं। इनमें से 28 हजार 900 शिदियां अप्रैल 2019 के बाद हुई हैं। राशि अटकने से हंगामा होने पर अगस्त में सरकार ने विभाग को 50 करोड़ रुपए दिए थे, जो सिर्फ 980 जोड़ों को बांटे जा सके।

युवाओं को मिलेगा तोहफा , मध्यप्रदेश में सरकार जल्द खोलेगी सीधी भर्ती

भोपाल। मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए यह समाचार सुखद भरा हो सकता है कि सालों से रुकी सीधी भर्ती को सरकार एक बार फिर खोलने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री कमलनाथ वीरे से लौटने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग की समीक्षा करेगे। इस दौरान सभी विभागों में रिक्त पदों को भरने को



लेकर भी चर्चा की जा सकती है। वहीं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में एक साल से अटक के सीधी भर्ती की परीक्षा को भी शुरू करने का निर्णय लिया जा सकता है। सामान्य प्रशासन सहित सभी विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी गई है। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी के लिए नया मौका युवाओं को मिलेगा। कई सरकारी विभागों

में अरसे से रिक्त पदों को भरे जाने का हाल ही निर्णय लिया गया था। सरकार सीधी भर्ती खोलने से पहले उनकी जरूरत का आंकलन करना चाहती है। साथ ही इन भर्तियों से सरकार पर आने वाले बोझ का भी आंकलन किया जाएगा। प्रदेश के सामान्य प्रशासन मंत्री गोविंद सिंह ने कहा है कि खाली पदों को भरने के लिए मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देश हैं। इसीलिए सभी विभागों से जानकारी मांगी गयी है। दुबई से लौटने के बाद मुख्यमंत्री विभागों के साथ बैठक कर खाली पदों को भरने के लिए अफसरों के साथ चर्चा करेंगे। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को डीएएसपी, डिप्टी कलेक्टर समेत कई पदों पर भर्तियां करनी हैं। राज्य सेवा परीक्षाओं का बेरोजगार युवाओं को करीब दो साल से इंतजार था। अब नई सरकार के आने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग में भी पंद्रह हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। वहीं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग सरकारी विभागों में कुछ पदों पर भर्ती प्रक्रिया पहले ही शुरू कर चुका है। आयोग की वेबसाइट पर विभागीय भर्ती की जानकारी दी गई है। आयोग ने 31 दिसंबर 2018 को परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया था। हालांकि परीक्षाएं अब तक नहीं हो पाई हैं। अब राज्य सरकार के निर्देश के बाद आयोग ने उन पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। आयोग की ओर से जारी सूचना में कृषि विभाग में सहायक संचालक पद पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

न्यूज गैलरी

इन पांच युवकों के कारण मुश्किल में फंसी मध्यप्रदेश पुलिस, एक से बचने के चक्कर में दूसरी आफत ले ली है मौल !



भोपाल। मध्यप्रदेश की पुलिस एक बार फिर से सवाल में है। एक मुसीबत से बचने के चक्कर में मध्यप्रदेश की पुलिस ने दूसरी आफत मोल ले ली है। जिसका प्रदेश में विरोध शुरू हो गया है। दरअसल, डीजीपी ने एक आदेश जारी किया अगर गिरफ्तार व्यक्ति अनुसूचित जाति और जनजाति का हो तो उसके साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट नहीं की जाए। लेकिन डीजीपी को ये आदेश एक पुराने मामले की वजह से जारी करनी पड़ी है। उस मामले में शामिल पांच युवकों के कारण मध्यप्रदेश की पुलिस ने दूसरी मुसीबत मोल ले ली है। जिस पर अब नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। दरअसल, जिस मामले को लेकर डीजीपी को यह आदेश जारी करना पड़ा है, वह झाबुआ- अलीराजपुर का मामला था। जहां पर अगस्त में मध्यप्रदेश की पुलिस पर पांच युवकों को पेशाब पिलाकर पिटाई करने का आरोप लगा था। ये सभी युवक दलित थे। इसे लेकर प्रदेश में काफी हंगामा हुआ था।

पांच युवकों को पुलिस ने किया था गिरफ्तार

दरअसल, अगस्त महीने में अलीराजपुर के कस्बाई थाना नानपुर ने पांच युवकों फाटा डैम के पास से हिरासत में लिया था। इन युवकों पर आरोप था कि इन लोगों ने पेट्रोलिंग के लिए गए पुलिस दल पर हमला कर दिया था। पुलिस इन सभी को थाने ले आई और उसके बाद थाने में पिटाई शुरू कर दी। पुलिस अनुसार सभी ने थाना प्रभारी पर हमला किया था। लेकिन इनके परिवजनों ने आरोप लगाया कि ये सभी बेगुनाह थे, पुलिस थाने में लाकर बेरहमी से इनकी पिटाई की है।

पेशाब पिलाकर पिटाई

पांच युवकों के परिवजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि नशे में पुलिस जवानों ने इन्हें उल्टा लटकाकर थाने में पिटाई की। पुलिस ने इनके साथ बर्बरता भी की। परिवजनों ने कहा कि पुलिस हिरासत में इन्हें पेशाब पिलाई। अगले दिन इन पांच युवकों के परिवजन थाने पर पहुंच हंगामा करने लगे। हंगामे के बाद मामला राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तक पहुंचा, उसके बाद कार्रवाई शुरू हुई।

चार पुलिसकर्मी हुए थे निलंबित

विवाद बढ़ा तो इस मामले में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। जिसमें नानपुर पुलिस थाने के इंचार्ज भी शामिल थे। इसके साथ ही विभागीय जांच के भी उनके खिलाफ आदेश दे दिए गए। युवक के परिवजनों ने कहा था कि वो सभी नानपुर के फाटा डैम के पास पिकनिक मनाने गए थे। विवाद के बाद सभी युवकों जमानत भी मिल गई थी। इसमें यशवंत बलवंत चौहान, विकास, आदित्य, राहुल और एक नाबालिग लड़का शामिल था। पुलिस की पिटई में तीन के हाथ और पैर में फ्रैक्चर थे।

ये हुई कार्रवाई

वहीं, इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के आदेश के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच अलीराजपुर जिले के बाहर के अधिकारी से जांच करवाने का फैसला लिया। साथ ही पीडित युवकों को पचास-पचास हजार रुपये मुआवजे दिए गए। साथ ही आयोग ने मध्यप्रदेश की पुलिस को ये भी एश्वर्य करने को कहा कि इनके साथ फिर कोई ऐसी घटना न हो इसका पूरा ख्याल रखा जाए।

इनके चक्कर में पुलिस ने ली नई आफत

मध्यप्रदेश की पुलिस को इनके लिए ही एडवाइजरी जारी करनी थी। पुलिस ने सामूहिक रूप से यह एडवाइजरी जारी कर दी। और कहा कि थाने में गिरफ्तार लोग अगर अनुसूचित जनजाति से हों तो उनके साथ मारपीट और अभद्रता नहीं की जाए। हालांकि पुलिस के इस एडवाइजरी से मध्यप्रदेश के गुप्त मंत्री पूरी तरह से अनजान हैं।

मिनी ट्रक ने मारी पिकअप वाहन को टक्कर, हादसे में एक की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बैरसिया रोड स्थित गुरुकुल कॉलेज के पास भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक बैरसिया थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह मिनी ट्रक ने सामने से आ रही पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार एक युवक के मौत और तीन युवक के गंभीर होने की खबर मिली है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बैरसिया थाना पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में किया है। गंभीर युवक को हमीदाया अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा। पुलिस के मुताबिक राजस्थान से पिकअप वाहन सव्धी लेकर आ रहा था। सुबह करीब साढ़े चार बजे हादसा हुआ।

रायपुर। थड़ी चौक सिग्नल में बाइक सवार को साइड नहीं देने पर आरोपियों ने हाथ मुक्का से मारकर कोट पहुंचाया। घटना की रिपोर्ट सिविल लाइन थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार मधुसमा मॉडर पुरानी बस्ती निवासी उमम प्रसाद बारले 31 वर्ष पिता पालू लाल बारले को रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 5 नवंबर को थड़ी चौक के पास ओएमन कार क्रमांक सीजी 0474/ओएमन 4434 में सवार दो व्यक्तियों द्वारा सिग्नल बंद होने के बावजूद बार-बार हॉर्न बजाकर साइड मांग रहे थे नहीं दटने पर आरोपियों ने गाली गल्ला करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से मारकर प्रार्थी को कोट पहुंचाया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार सवार दोनों व्यक्तियों के खिलाफ कार नंबर के आधार पर अपराध कायम करने मामला दर्ज कर लिया है।

नहीं कर रहे थे, करिश्मा और मैं आपस में बात नहीं कर रहे थे और न ही सलमान और राजकी भी बात कर रहे थे। मुझे नहीं पता कि वह पिप्पम कैसे बनी लेकिन यह दर्शाता है कि हम अच्छे कलाकार हैं। सलमान और आमिर ने करिश्मा और मुझे एक साथ लाने की कोशिश की। सीन की शूटिंग के दौरान हम सभी वास्तव में बहुत हँसते थे क्योंकि डायलॉग बहुत ही हँसने वाले थे। खीना ने कहा 'सारे कलाकारों के साथ काम करना असर के बिना ज़ेदर रहा लेकिन समस्याएँ थीं।' कि अब जब भी वह उन कलाकारों के साथ कर आमिर और सलमान से तो न भी है।

न्यूज गैलरी

भारतीय महिलाओं ने दूसरे फीफा मैत्री मैच में वियतनाम से ड़ा खेला

हनाई । भारतीय महिला फुटबाल टीम ने बुधवार को यहां दूसरे फ़ीफ़ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मेजबान वियतनाम से 1-1 से ड़ा खेला। थाई थि थाओ ने 39वें मिनट में गोल कर मेजबानों को आगे कर दिया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने रंजना चानू के 57वें मिनट में किये गये गोल की मदद से बराबरी हासिल की। भारतीय टीम पहले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में 0-3 से हार गयी थी।

थर्ड अंपायर को नो बॉल देखनी चाहिए : गिलक्रिस्ट

मुंबई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि मैदानी अंपायर के लिए पहले नीचे देखना, फिर ऊपर देखना और साथ ही इधर-उधर भी देखना देखना काफ़ी चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि काफ़ी चीज़ें एक साथ हो रही होती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट का मानना है कि थर्ड अंपायर को 'नो बॉल' देखनी चाहिए लेकिन वह आईपीएल में थर्ड अंपायर के यह फैसला करने के खिलाफ नहीं हैं, बशर्ते सही निर्णय लिया जाए। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान अंपायरों के खराब फैसलों की संख्या में कमी लाने के लिए आईपीएल संचालन परिषद ने 'नो बॉल' से जुड़े फैसले के लिए अलग अंपायर रखने का प्रस्ताव रखा जिसके बाद गिलक्रिस्ट ने यह प्रतिक्रिया दी। गिलक्रिस्ट ने कहा, 'मैदानी अंपायर के लिए पहले नीचे देखना, फिर ऊपर देखना और साथ ही इधर-उधर भी देखना देखना काफ़ी चुनौतीपूर्ण होता है क्योंकि काफ़ी चीज़ें हो रही होती हैं। निश्चित तौर पर पिछले साल रीले में दिखाया गया कि नो बॉल फेंकी गई थी।' उन्होंने कहा, 'क्या आपको चौथे अंपायर की जरूरत है, शायद नहीं, आखिर ऐसा क्यों ना हो कि तीसरा अंपायर रीले देखे और फैसला करे।'

इंदौर टेस्ट के लिए 40 फीसदी टिकट बिके

इंदौर। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में एक बार फिर विराट कोहली टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे दो टी20 सीरीज में शामिल नहीं हैं। भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के अब तक करीब 7,000 सीजन टिकट बिक चुके हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच यहां होलकर स्टेडियम में 14 नवंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच को लेकर दर्शकों में अच्छा रुझान देखा जा रहा है। इस मुक़ाबले के 40 फ़ीसदी से ज्यादा सीजन टिकट महज चार दिन में बिक गए हैं। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने बुधवार को बताया कि भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के अब तक करीब 7,000 सीजन टिकट बिक चुके हैं।

दुनिया में लगभग हर देश में महिलाओं और पुरुषों के वेतन में अंतर पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन आस्ट्रेलिया ने सदियों से चले आ रहे इस चलन को तोड़ते हुये अपनी राष्ट्रीय महिला फुटबालरों को पुरुषों के बराबर एकसमान वेतन देने का फैसला किया है।

सिडनी । फुटबाल फेडरेशन आस्ट्रेलिया (एफएफए) और प्रोफेशनल फुटबालर

भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी-20 का आज प्रसारण शाम 5.30 बजे से

पिछले मैच में हम जिस तेज गेंदबाजी संयोजन के साथ खेले थे, वह दिल्ली की पिच के हिसाब से था-कप्तान

विराट की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया का नेतृत्व कर रहे रोहित शर्मा ने कहा कि राजकोट टी20 के लिए पिच का आकलन किया जाएगा और उसी के आधार पर टीम के देखेंगे कि बतौर टीम हम क्या कर सकते हैं। ऐसा हो सकता है कि शार्दुल ठाकुर को खलील की जगह उतारा जाए।

राजकोट। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफहोने वाले दूसरे टी20 मैच के लिए तेज गेंदबाजों के संयोजन में बदलाव का संकेत दिया। उन्होंने बल्लेबाजी लाइन-अप का बचाव किया जिसमें सीनियर सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पिछले कुछ समय से जुड़ा रहे हैं। भारत ने कोटला की पिच पर 148 रन का स्कोर बनाया था और 19वें ओवर में तेज गेंदबाज खलील अहमद के ओवर में मुशफ़्फ़िर रहीम द्वारा लगाई गई 4 बाउंड्री ने मैच का रुख ही बदल दिया। रोहित ने मैच से पूर्व कहा, ‘हमारी बल्लेबाजी अच्छी दिखती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि हमें अपनी बल्लेबाजी में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। हम पिच का आकलन करेंगे और उसी के आधार पर हम देखेंगे कि बतौर टीम हम क्या कर सकते हैं।’ उन्होंने हालांकि किसी का नाम नहीं

एसोसिएशन(पीएफए) ने बुधवार को आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा की, जिसके अनुसार उनकी राष्ट्रीय सीनियर महिला टीम द माटिलदास को राष्ट्रीय पुरूष फुटबालर टीम के खिलाड़ियों के समान वेतन भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा महिला टीम को 2019-20 में हुये राजस्व से राष्ट्रीय टीमों को दिये जाने वाला स्वीकृत 24 फ़ीसदी बोनस भी दिया जाएगा।

हमारी बल्लेबाजी अच्छी, तेज गेंदबाजी संयोजन पिच पर निर्भर: रोहित शर्मा

राजकोट में गुरुवार को होना है बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज का दूसरा मैच

दिल्ली में खेला गया सीरीज का पहला मैच बांग्लादेश ने जीता, बनाई 1-0 की बढ़त

रोहित बोले, मुझे नहीं लगता कि हम अपनी बल्लेबाजी में कुछ बदलाव करने की जरूरत है

रोहित ने कहा कि यह अहम है कि पिछले मैच की गलतियों को दोहराया नहीं जाए

लिया लेकिन ऐसा हो सकता है कि शार्दुल ठाकुर को खलील की जगह उतारा जाए। कप्तान ने कहा, ‘पिछले मैच में हम जिस तेज गेंदबाजी संयोजन के साथ खेले थे, वो दिखे की पिच के हिसाब से था। हम फिर पिच देखेंगे और सोचेंगे कि अपने गेंदबाजी लाइन-अप में क्या करने की जरूरत है।’ रोहित को उम्मीद है कि राजकोट की पिच कोटला से कहीं



वहीं प्रायोजन से होने वाले राजस्व में जहां पहले पुरुषों को अधिक राजस्व मिलता था उसमें भी अब महिलाओं को समानता से भुगतान किया जाएगा। महिला टीम की मिडफ़िल्डर एलिस केलोंड नाइट ने कहा,÷ यह नया करार कमाल का है। एक महिला फुटबालर होने के नाते यह ऐसा है जिसका हम हमेशा से सपना देखा करते थे। हम हमेशा से बराबरी का हक चाहते थे। हम

पिच पर उस बराबरी के अहसास के साथ उतरना चाहते हैं जो पुरुषों को मिलती है। महिलाओं को भुगतान के अलावा कई अन्य फ़ायदे भी मिलने जा रहे हैं जिसमें उन्हें भी अब पुरुषों की तरह फ़र्स्ट क्लास में सफ़र करने का मौका मिलेगा। साथ ही विश्वकप की ईनामी राशि में भी खिलाड़ियों के लिये 30 से 40 फ़ीसदी की बढ़ोतरी की गयी है। एफ़एफ़ के अध्यक्ष क्रिस निकोड

ने कहा,÷ फुटबाल सभी का खेल है। यह नया करार एक कदम है यह सुनिश्चित करने का कि हम बराबरी, समावेशी के अपने सिद्धांतों का पालन करते हैं। अब महिला और पुरूष फुटबालरों में कोई अंतर नहीं होगा और हमें गर्व है कि हमने आस्ट्रेलिया और दुनिया में एक नया उदाहरण पेश किया है।

सायना भी पहले दौर में बाहर, कश्यप जीते



अनुभवी भारतीय शटलर सायना नेहाल बुधवार को चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही दौर में उलटफेर का शिकार हो गयीं, लेकिन पुरुष एकल खिलाड़ी परुषल्लू कश्यप और वी साई प्रणीत ने जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

फुझू।चाइना ओपन के पहले ही दिन भारत की अन्य ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू भी महिला एकल के पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गयी थीं। टूर्नामेंट में आठवीं वरीय सायना को चीन की काई यान यान के हाथों मात्र 24 मिनट में 9-21, 12-21 से शिकस्त मिली। मैच के दौरान सायना असहज दिखाई दीं और अंक बटोरने में उन्हें काफ़ी परेशानी हुई। विश्व में नौवें नंबर की सायना की 22वीं रैंक यान यान के खिलाफ यह पहली भिड़ंत थी। हालांकि पुरुष एकल के पहले दौर में सायना के पति और स्टार खिलाड़ी कश्यप ने थाईलैंड के स्थिक्कोम थामासिन को 43 मिनट में लगातार गेम्स में 21-14 21-3 से हराकर

जीत अपने नाम कर ली। कश्यप का अब दूसरे दौर में सातवीं सीड डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से मुकाबला होगा। प्रणीत ने इंडोनेशिया के टॉमी सुगियातों के खिलाफ 52 मिनट तक तीन गेम्स के संघर्ष में 15-21, 21-12, 21-10 से जीत अपने नाम की। प्रणीत का अब 3-2 का रिकार्ड हो गया है। मिश्रित युगल में भी भारत को निराशा हाथ लगी और प्रणव जैरी चोपड़ा तथा एन सिक्की रेड्डी पहले दौर में ही बाहर हो गये। भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे के चांग ची लिन तथा चेंग ची या के हाथों 14-21 14-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। 29 साल की सायना ने जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीतने के बाद से काफ़ी निराशाजनक प्रदर्शन किया है। वह गत माह फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफ़ाइनल तक पहुंच सकी थीं जबकि इससे पिछले तीन टूर्नामेंटों में भी वह पहले ही राउंड में बाहर हो गयी थीं।

वहीं सिंधू विश्व चैंपियन बनने के बाद से लगातार पांच टूर्नामेंटों के

कोलकाता टेस्ट: शेख हसीना के लंच में 50 पकवान, सोने के सिक्के से टॉस

बांग्लादेश पीएम के लिए कैब ग्रैंड रिसेशन आयोजित करने वाला है। उनके लंच के लिए 50 डिशेज के नाम भी तय किए जा चुके हैं। उसमें सबसे खास मशहूर हिल्ला मछली, पाव्डा (मछली), भेटकी (मछली), दाब विथी प्रमुख रूप से शामिल हैं।

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच कोलकाता में 22 नवंबर से डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। इस मैच को देखने के लिए तमाम हस्तियों के साथ-साथ मेहमान टीम की पीएम शेख हसीना भी पहुंचेंगी। बीसीसीआई के नवनियुक्त अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने हसीना को न्यौता भेजा था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही बंगाल क्रिकेट बोर्ड (ब्रक़) ने उनके ग्रैंड वेलकम की तैयारी शुरू कर दी।



उनके लंच के लिए 50 पकवान के नाम तय कर लिए गए हैं। दूसरी ओर, मैच का टॉस गोल्ड की कॉइन से होगा, जबकि सिल्वर कॉइन चिन्ह के रूप में मेहमानों को भेंट किया जाएगा। रिपोर्ट्स की माने तो बांग्लादेश पीएम के लिए कैब ग्रैंड रिसेशन आयोजित करने वाला है। उनके लंच में सबसे

खास मशहूर हिल्ला मछली, पाव्डा (मछली), भेटकी (मछली), दाब चिथ्री प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा पारंपरिक बंगाली खाने भी परोसे जाएंगे, जैसे- शुको, आलू पोतो, रोस्टेड कॉलीफ्लावर्स, चनार डालना, पुलाव चटनी आदि। इनके अलावा चिकन और मटन के कई डिशेज भी शामिल होंगे। ये सब कैब स्टाफ ने एक फ़व्व स्टार होटल के स्टाफ से मिलकर तय किया है। हालांकि, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली इस पर अंतिम निर्णय होंगा। यही नहीं, रिपोर्ट्स के अनुसार, कैब शेख हसीना को एक सोशल साड़ी भी गिफ़्ट करेगा। उल्लेखनीय है कि कोलकाता में होने वाला मैच भारतीय टीम का पहला डे-नाइट टेस्ट है।

उल्लेखनीय है कि बांग्लोदेश की

सीए ने मेलानी को बनाया निदेशक

मेलबोर्न ।क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को पूर्व महिला क्रिकेटर मेलानी जोनस को अपना निदेशक नियुक्त कर दिया। पूर्व महिला क्रिकेटर ने 1997 में आस्ट्रेलिया के लिये अपना पदार्पण किया था, उस वर्ष उनकी टीम ने पहली बार विश्वकप खिताब अपने नाम किया। इसके बाद वह वर्ष 2005 में भी विश्व विजेता टीम का हिस्सा रही थीं। उन्होंने अपनी टीम के लिये पहला टेस्ट शतक भी बनाया था और एशेज में भी काफ़ी सफ़्त रही थीं। मेलानी को वर्ष 2019 में आस्ट्रेलिया के सर्वोच्च पुरस्कार मेडल ऑफ़ द आर्डर ऑफ़ आस्ट्रेलिया से नवाजा गया था। उन्होंने सीए की निदेशक चुने जाने पर खुशी जताते हुये कहा,÷ मैं इस मौके को पाकर उत्साहित हूं और क्रिकेट के साथ लोगों के जुड़ाव को मजबूत करने के लिये काम करूंगी।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर बुधवार को वेस्टइंडीज और अफ़ग़ानिस्तान के बीच खेले गये पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान अव्यवस्थाओं का बोलबाला रहा।

लखनऊ। करीब 50 हजार दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम को अफ़ानिस्तान ने अपना घरेलू मैदान बनाया है जहां मेजबान टीम वेस्टइंडीज के साथ तीन एक दिवसीय मैचों के अलावा तीन टी-20 और एक टेस्ट मैच खेलेगी। वर्ष 2017 में अस्तित्व में आये इस ग्राउंड पर इससे पहले पिछले साल नवम्बर में पहली बार भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 मैच खेला गया था और उस समय यह मैदान अव्यवस्थाओं के लिये जाना गया था। इकाना प्रशासन और अफ़ानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के

बचपन के कोच से अलग होने का फैसला सही था नई दिल्ली।

भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिषा बत्रा ने बचपन के कोच संदीप गुप्ता से अलग होने के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि पुणे को अभ्यास केंद्र बनाने से उन्हें काफ़ी फ़ायदा मिला। बत्रा को बख़ूबी पता है कि द्रोणाचार्य अंबांडी गुप्ता से अलग होने के उनके फैसले को लेकर लोग काफ़ी बातें करेंगे लेकिन उसका मानना है कि उसके खेल को सुधारने के लिए यह जरूरी फैसला था। दो दशक से गुप्ता के मार्गदर्शन में खेल रही बत्रा के रिश्ते उससे इतने मजबूत हो गए कि अब आपस में बातचीत भी नहीं है। अब वह सम्यय परांजपे के साथ अभ्यास करती हैं। वह पिछले महीने आईटीटीएफ रैंकिंग में 18 पायदान चढ़कर 61वें स्थान पर पहुंच गईं। मणिषा ने कहा, ‘अब मैं अपने खेल को लेकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत हूं।

तोक्वो के लिए करेंगे कड़ी मेहनत-रानी रामपाल

जापान में अगले साल होने वाले तोक्वो ओलिंपिक के लिए क्रांतिफइकरने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी रानी रामपाल ने कहा है कि उनकी टीम ओलिंपिक की तैयारियों के लिए अब कड़ी मेहनत करेगी।

भुवनेश्वर।जापान में अगले साल होने वाले तोक्वो ओलिंपिक के लिए क्रांतिफइकरने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी रानी रामपाल ने कहा है कि उनकी टीम ओलिंपिक की तैयारियों के लिए अब कड़ी मेहनत करेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अमेरिका को 5-1 से हराया था, लेकिन दूसरे चरण में उसे अमेरिका ने 4-1 से हरा दिया, लेकिन एग्गोट स्कोर में भारतीय महिला टीम ने 6-5 से जीत दर्ज करते हुए

तीसरी बार ओलिंपिक के लिए क्रांतिफइ किया। रानी ने रविवार को टि्वटर पर कहा कि उनकी टीम अगले साल होने वाले टोक्यो ओलिंपिक की तैयारियों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देगी। रानी ने टि्वटर पर लिखा, ‘टीम के खिलाड़ियों, कोचों और स्पोर्टिंग स्टाफ के सामूहिक प्रयास से हमने टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्रांतिफइ कर लिया है। लेकिन इसकी तैयारियों के लिए अब हम अगले आठ महीनों में कड़ी मेहनत करेंगे।’ यह तीसरा मौका होगा है जब भारत की महिला टीम खेलों के महाकुंभ में खेलेगी। भारत ने पहली बार मार्को ओलिंपिक-1980 में कदम रखा था जहां वो चौथे स्थान पर रही थी, लेकिन इसके बाद उसे लंबा इंतजार करना पड़ा। हर बार ओलिंपिक की पताका

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति ने बुधवार को सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपना गुरुसा जाहिर करते हुये अब भी खुद को भारत की अवेिस कप टीम का गैर खिलाड़ी कप्तान होने का दावा किया।

नई दिल्ली । भूपति ने कहा कि वह इस बात को स्वीकार नहीं करते हैं कि उनकी जगह किसी और को डेविस कप टीम का गैर खिलाड़ी कप्तान चुना गया है और उन्हें इस पद से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी उपलब्ध हैं और अभी भी कप्तान हैं। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय टेनिस संघ (आएटा) ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी तथा राष्ट्रीय टेनिस महासंघ के चयनकर्ता प्रमुख रोहित



राजपाल को अपना गैर खिलाड़ी कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पूर्व टेनिस स्टार ने टि्वटर पर बुधवार को कहा, वे सभी लोग जिन्हें मेरे विचारों की बहुत ज़िंत है उन्हें मैं बताना चाहता हूं कि मैं

जाने में सहज नहीं था, (मैं इस देश को प्यार करता हूं और पहले भी वहां जा चुका हूं-लेकिन इस बार नहीं)। उन्होंने साथ ही लिखा,÷ सोमवार के बाद से आएटा ने मुझसे संपर्क नहीं किया है और न ही खिलाड़ियों के सुरक्षा चिंता जताने के बाद आईटीएफ के तटस्थ स्थान चुने जाने के बाद से मेरी कोई बात हुई है। मैं बताना चाहता हूं कि मैं उपलब्ध हूं और अभी भी कप्तान हूं-जब तक की मुझे कुछ और नहीं कहा जाता है। मुझे जब भी कुछ और पता चलेगा मुझे बताने में खुशी होगी। इस बीच अन्य टेनिस खिलाड़ी और भूपति के करीबी माने जाने वाले रोहन बोपन्ना ने भी आएटा के नया कप्तान चुने जाने के फैसले पर हैरानी जताई है। उन्होंने ट्वीट में

लिखा था कि उन्हें हैरानी हो रही है कि आएटा ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ के मैच के स्थल बदले जाने से पहले ही अपना नया कप्तान चुन लिया। वहीं अखिल भारतीय टेनिस संघ ने खिलाड़ियों को संस्था पर सवाल उठाने के लिये लताड़ा है। आएटा ने कहा है कि प्रशासनिक मामलों में लिये जाने वाले फैसलों में खिलाड़ियों का दखल नहीं होना चाहिये। चटर्जी ने साथ ही कहा कि उन्होंने भूपति को कप्तान बदले जाने की जानकारी दे दी है और किसी नियुक्ति का फैसला समिति द्वारा लिया जाता है न कि खिलाड़ियों द्वारा। ऐसे में उन्हें सवाल उठाना निंदनीय है।

केवल इतना जानता हूं कि आएटा के महासचिव हिरामय चटर्जी ने सोमवार को मुझे फ़ेन पर बताया था कि रोहित को मेरी जगह कप्तान चुना गया है क्योंकि मैं ओसनिथा ग्रुप ए मुकाबले के लिये पाकिस्तान

न्यूज गैलरी

ब्लैक सिगरेट पर नहीं लिखी थी चेतावनी, निगम अमले ने किया जवा, लगाया जुर्माना

भोपाल। ब्लैक सिगरेट के उपयोग से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर की चेतावनी का संदेश नहीं लिखा गया है और न ही इस पर फेफड़े का चित्र है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों को इसके दुष्प्रभाव के बारे में बता चुके हैं। मंगलवार को नगर निगम ने पहली बार ई-सिगरेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुकानदार से जव्त की। जोन 16 के तहत आने वाले वार्ड 72 में डिटी कमिश्नर मनोज मौर्य और प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश पाल ने पटेल नगर में साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। पटेल नगर और अयोध्या नगर एरिया में गुमठियों पर ब्लैक सिगरेट बिकते पाई गई। जिसे निगम अमले ने जव्त कर दुकानदारों पर पांच-पांच सौ रुपए का जुर्माना लगाया। इस तरह पांच हजार रुपए वसूले गए। साथ ही सुलभ शौचालय में गंदगी मिलने पर 1 हजार रुपए की चालानी कार्रवाई की। इसी प्रकार जोन क्षेत्र में अवैध होडिंग नजर आने पर उन्हें उतारने की कार्रवाई की गई। जोन में कुल 20 हजार का जुर्माना लगाया गया।

12 वीं फेल ने इंदौर के युवक से साझेदारी में कंसलटेंसी खोलने के नाम पर हड़पे पांच लाख

भोपाल। एमपी नगर जोन-1 में 12वीं फेल युवक एक कंसलटेंसी कंपनी खोलकर बेरोजगारों को नौकरी लगवा रहा था। उसके झांसे में आकर इंदौर के युवक ने भोपाल में उसके साथ एक नई कंसलटेंसी खोलने के लिए पार्टनरशिप कर ली। इसके लिए उसने अपने हिस्से के पांच लाख रुपए भी दे दिए। बाद में जब कंपनी नहीं खुली तो उसने अपने रुपए वापस मागे पर आरोपित ने देने से इंकार कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। एमपी नगर थाने के एएसआई संजय सिसोदिया ने बताया कि एमपी नगर जोन-1 में मानस परिसर पंजाब डेयरी के पास मंजीत पाल्य (19) एमके प्लेसमेंट नाम से कंसलटेंसी कंपनी चला रहा था। वह 12 वीं क्लास फेल है। बेरोजगारों को नौकरी लगवाने के लिए वह दस से बीस फीसदी कमीशन लेता था। जनवरी 2018 में उसकी मुलाकत इंदौर के आशीष बिहार चौराहे के पास रहने वाले अंकित रावत से हुई। इंदौर में अंकित एक कंसलटेंसी में नौकरी करता है। मुलाकत के दौरान दोनों के बीच भोपाल में एक नई कंसलटेंसी खोलने की बात हुई। दोनों ने साझेदारी कर ली। इसके तहत अंकित ने अपने हिस्से के 5 लाख भी आरोपित को दे दिए। लेकिन, आरोपित ने न तो कोई कंसलटेंसी शुरू की न ही पीडित को रकम लौटाई। एएसआई ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वह नगर निगम से एक गुमाशता लाइसेंस बनाकर कंपनी चला रहा था।

सिंहस्थ के पहले कराए गए वैचारिक महाकुंभ की जांच शुरु

भोपाल। सिंहस्थ महाकुंभ के पहले हुए वैचारिक महाकुंभ में अनाप-शनाप खर्चों की राज्य सरकार ने जांच शुरू कर दी है। इसका आयोजन निनौर में किया गया था। चंद दिनों में यहां करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। अब सरकार ने एक-एक पाई का हिसाब लेना शुरू दिया है। मालूम हो वर्ष 2016 में शिवराज सरकार के कार्यकाल में यह आयोजन कराया गया था। जुलाई माह में हुए विधानसभा सत्र के दौरान जनसंपर्क मंत्री पीसी शर्मा ने स्वीकार किया था कि वैचारिक महाकुंभ में घोटाला हुआ है। कांग्रेस विधायक विनय सक्सेना के सवाल पर उन्होंने यहां खर्च हुई राशि की जांच का एलान किया था।

कमल पर भारी नाथ, दांव में फंसे जा रही है बीजेपी!

अब मध्यप्रदेश में पूर्ण बहुमत में है कमलनाथ की सरकार, विधानसभा चुनाव के बाद घटे बीजेपी के दो विधायक

शिवम यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश जब कमलनाथ की सरकार बनी तो निर्दलीय, सपा और बसपा का समर्थन हासिल था। ऐसे में सरकार पर खतरा हमेशा बना रहता था। ऊपर बीजेपी की लगातार धमकी कि सरकार कभी भी धराशायी हो जाएगी। लेकिन अपनी सियासी दांव से बीजेपी को ऐसा उलझाया कि भोपाल से लेकर दिल्ली तक के दिग्गज बेदम हो गए हैं। अब कमलनाथ के साथ खुद की बहुमत भी है। इस एक महीने में ही उन्होंने बीजेपी को जोरदार झटके दिए हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश में जब से कांग्रेस की सरकार बनी है, तभी से बीजेपी के दिग्गज नेता यह दंभ भरते रहे कि जब चोंहें तब सरकार गिरा दें। कई बार फ्लोर टेस्ट की भी मांग की लेकिन कमलनाथ हर बार बाजी मार गए। लोकसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद बीजेपी के नेता मध्यप्रदेश में इतने उत्साही हो गए थे कि नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने फ्लोर टेस्ट की मांग की। इसके लिए गवर्नर को चिट्ठी



भी लिखी। सीएम ने उस वक्त कहा था कि हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश हो रही है।

झाबुआ में भी दिया जवाब

झाबुआ सीट पहले बीजेपी के पास था। जीएस डामोर के सांसद बनने के बाद यहां उपचुनाव हो रहा था। कांग्रेस ने कांतिपाल भूरिया को उम्मीदवार बनाया था। बीजेपी के बयानवीरों ने फिर झाबुआ में वाकयुद्ध करना शुरू कर

दिया। दावा करने लगे कि झाबुआ जीते तो मध्यप्रदेश में फिर से शिवराज सरकार। लेकिन कमलनाथ इन आरोपों पर जवाब दिए बिना प्रचार करते रहे। परिणाम आया तो बीजेपी की करारी हुई और मध्यप्रदेश में कांग्रेस की एक सीट बढ़ गई। वहीं, झाबुआ के बाद बीजेपी को मध्यप्रदेश में एक और जबरदस्त झटका लगा है। भोपाल स्थित स्पेशल कोर्ट से मारपीट के मामले में पवई से विधायक प्रह्लाद सिंह लोधी को दो साल

चारों खाने कर दिया चित

इसी साल जुलाई महीने में बजट सत्र के आखिरी दिन नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने सदन में कहा कि हमारे नंबर एक और दो अगर आदेश दें तो हम सरकार गिरा देंगे। सीएम ने इसे चैलेंज के रूप में लिया और शाम को बीजेपी को चारों खाने चित कर दिया। भार्गव बयान के बाद एक बिल को पास करवाने के लिए सीएम कमलनाथ ने सदन में वोटिंग करवाई। वोटिंग के दौरान बीजेपी के दो विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। साथ ही विधायक नारायण त्रिपाठी और शरद कौल ने खुलम-खुल्ला ऐलान कर दिया कि हम कमलनाथ के साथ हैं। इसके बाद भोपाल से लेकर दिल्ली तक खलबली मच गई। बीजेपी यहां बुरी तरह से पीट गई।

की सजा हुई। दो दिन बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कोर्ट के फैसले के आधार पर उनकी सदस्यता खत्म कर दी। बीजेपी के इस विधायक की सदस्यता खत्म होते ही कमलनाथ की सरकार पूर्ण बहुमत में आ गई। प्रह्लाद ने अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

सोयी रही बीजेपी

प्रह्लाद लोधी की सदस्यता खत्म होने के बाद बीजेपी इस पर कोई स्टैंट नहीं ले

पाई। उसके बाद सीएम कमलनाथ ने यह बयान देकर और खलबली मचा दी कि दो-तीन सीटें और आएंगी हमारे पास। उसके बाद दिल्ली भी एक्टिव हुआ। शिवराज को बुलाया गया और पार्टी लोधी के मामले में स्टैंड करने को कहा गया। साथ ही शिवराज सिंह चौहान को अमित शाह ने कहा कि आप मध्यप्रदेश के मामलों में दखल दें। लेकिन फिलहाल बीजेपी के तरकश में नए तीर तलाशे जा रहे हैं ।

भीड़ को नियंत्रण करने के लिये बलवा परेड रिहर्सल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधनी भोपाल के पुलिस लाइन ग्राउंड में बुधवार को सुबह के समय अचानक काफी मात्रा में पुलिस फोर्स पहुंचा। यहां विभिन्न मांगों व मुआवजे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस व प्रशासन की टीम द्वारा समझाया गया व आश्वासन दिया गया, किंतु प्रदर्शनकारियों ने बात नहीं मानी एवं मांगे पूरी नही होने की वजह से तोड़फोड़ व चक्काजाम करने लगे।

जिससे कानून व्यवस्था की स्थिती निर्मित होने गई। तभी भीड़ को हटाने के लिए पुलिस पार्टी ने अश्रु गैस छोड़े, किंतु भीड़ और उग्र हो गई। ऐसे में उस उग्र भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग किया। इस स्थिति को काबू में लाने के लिए दौरान जहां पुलिस ने जम कर लाठियां भांजी, वहीं अश्रु गैस छोड़ने के अलावा भीड़ को तीतर-बीतर करने के लिए गोलियां भी चलाईं।



ऐसे समझें पूरा मामला....

दरअसल आगामी त्योंहार और अयोध्या फैसले के मद्देनजर शहर में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने डीआईजी शहर इरशाद वली के निर्देशानुसार बुधवार को सुबह पुलिस लाइन, नेहरु नगर में जोन 1 क्षेत्र के पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा बलवा ड्रिल रिहर्सल का आयोजन किया गया। इसका नेतृत्व एएसपी जोन 1 अखिल पटेल ने किया। इस दौरान पटेल ने बलवा परेड में मौजूद जोन के सभी एडीएम सभी पुलिस पार्टी को ब्रीड कर बताया

गया कि कानून व्यवस्था के दौरान उग्र भीड़ को नियंत्रण करने के एवं जान माल की सुरक्षा के मद्देनजर किस टीम को क्या-क्या कार्रवाही करनी है। इस दौरान जानकारी विस्तृत रूप से बताई गई। इसके बाद बलवा परेड रिहर्सल की गई। इसके तहत विभिन्न मांगों व मुआवजे की मांग कर रहे किसानों/प्रदर्शनकारियों को पुलिस व प्रशासन की टीम द्वारा समझाया गया व आश्वासन दिया गया, किंतु प्रदर्शनकारियों ने बात नहीं मानी एवं मांगे पूरी नही होने की वजह से तोड़फोड़ व चक्काजाम करने लगे।

बिजली विभाग के ऑफिस में अजगर दिखते ही मचा हड़कंप

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। भारी बारिश के बाद सड़क पर जलीय जीवों का अब निकलना शुरू हो गया है। बुधवार को एक बार फिर राजधानी भोपाल के कलियासोत डेम के पास बने बिजली विभाग के ऑफिस में अजगर घुस जाने से हड़कंप मच गया। वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि अजगर बिजली विभाग के ऑफिस में इलेक्ट्रिक पैनलों के पीछे, तारों में छुपकर बैठा था, अजगर दिखते ही बिजली विभाग के कर्मचारी ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन



विभाग की टीम ने बड़ी मशकत के बाद अजगर को पकड़ लिया है। वन विभाग की टीम ने बताया की बताया की इस बार बारिश ज्यादा होने वन्य जीव पानी से बाहर निकले। बता दें कि इसके पहले बैरागढ़ रोड पर मगरमच्छ मिलने की खबर मिली थी। जिसका

वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो बीते रविवार का था, कलियासोत डेम के नजदीक स्थित एक्सिलेंस कॉलेज के सामने का बताया जा रहा है। मगरमच्छ कलियासोत डेम की ओर से सड़क पार करते हुए एक्सिलेंस कॉलेज परिसर में जाता नजर आया था। पानी के बजाय शहर की सड़क पर टहलते नजर आए मगरमच्छ का वीडियो देखकर हर कोई हैरान हो रहा है। घटना की जानकारी लगने के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

घेराव

लोगों ने युवक की मौत का जिम्मेदार कोतवाली के सहायक उप निरीक्षक कुशलपाल को बताकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की

पुलिस का हुआ घेराव : दरोगा पर मामला दर्ज होने के बाद ही हुआ पोस्टमार्टम...

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना जिले में दो दिन से अपने घर से गायब एक युवक की लाश मिलने पर लोग आक्रोषित हो गए। उनका यह गुस्सा पुलिस को लेकर था। तमाम आरोपों के बीच लोगों ने युवक की मौत का जिम्मेदार कोतवाली के सहायक उप निरीक्षक कुशलपाल को बताकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। वहीं लाश मिलते ही अनिल के परिजन और भुल्लनपुरा के आक्रोशित लोग सड़क पर आ गए, उन्होंने पहले भुल्लनपुरा पर जाम लगा दिया।



अधिकारियों के आश्वासन पर जाम तो खत्म हुआ, लेकिन जिला अस्पताल में

फिर उनके परिजन व भुल्लनपुरा की जनता आ गई और पुलिस का घेराव कर कुशलपाल के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद अनिल का पोस्टमार्टम कराने की जिद पर अड़े रहे। पुलिस अधिकारियों को आक्रोशित जनता व विधायक के दबाव के बाद दरोगा कुशलपाल के खिलाफ बजरंगगढ़ पुलिस थाने में भादर्स की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कराना पड़ा। पुलिस अधीक्षक ने दरोगा को लाइन अटैच किया, इसके बाद ही अनिल का पोस्टमार्टम किया गया। दरअसल मामला मंगलवार का है, और यह गुना के भाजपा विधायक गोपीलाल

जाटव से जुड़ा हुआ है। बताया जाता है कि मृतक अनिल कैम जिसकी लाश बजरंगगढ़ नदी में मिली, वह उनका रिश्तेदार था। जिसके बाद से ही ये हंगामा चालू हुआ।

ऐसे समझें मामला :

भुल्लनपुरा निवासी तीस वर्षीय युवक अनिल कैम (जाटव) तीन दिन पूर्व अपने एक साथी के साथ बूढ़े बालाजी स्थित शराब की दुकान पर गया था, वहां से लौटते समय सिटी कोतवाली में पदस्थ एएसआई कुशलपाल मिल गए। उसको नशे की

हालत में पाए जाने पर उसके खिलाफ धारा 34 के तहत कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू की। परिजनों का आरोप है कि कुशलपाल ने अनिल को धमकाते हुए कहा कि तीन हजार रुपए दे दो मैं तेरे खिलाफ केस नहीं बनाऊंगा।

वह आधार कार्ड और पैसे लेने अपने घर पहुंचा, वहां उसने अपनी पत्नी की पायजेब उतरवाई और उसको बेचकर तीन हजार तीन सौ बीस रुपए लेकर कुशलपाल से मिलने पहुंचा था। परिजनों का आरोप है कि उसे दरोगा द्वारा मानसिक प्रताड़ना दी गई, जिससे वह काफी क्षुब्ध था।



रिटेल सब्जी विक्रेता का कहना है कि प्याज की कीमतें रोजाना बढ़ती जा रही हैं, सब्जी की आपूर्ति में कमी है क्योंकि बारिश ने फसलों को नष्ट कर दिया है। फिलहाल हमें बिना लाभ के ही प्याज 80 रुपये किलो बेचना पड़ रही है। समय रहते इसकी आपूर्ति नहीं हुई तो संभव है कि, अगले सप्ताह तक प्याज के भाव 120 रुपये किलो तक जा पहुंचें।

प्रदेश के झाबुआ जिले में प्याज 80 रुपये किलो बिक रही है। थोक विक्रेताओं की मानें तो यहां नीलामी में ये 60 से 70 रुपये किलो बिकी है। शाजापुर में मंगलवार को प्याज थोक में अधिकतम 55 रुपए किलो तक बिका। जबकि, फुटकर में ग्राहकों तक इसकी पहुंच 70 रुपये किलो में हुई।

मप्र की अयोध्या में हाई अलर्ट, भगवान नहीं यहां राजा हैं राम

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। अयोध्या मसले पर 17 नवंबर से पहले फैसला आने की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले ही मध्यप्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गई है। वहीं, संभावित फैसले के मद्देनजर ओरछा के श्रीराम राजा मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम पर भी नजर रखी जा रही है। ओरछा मंदिर के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संभावित फैसले को देखते हुए ओरछा में मंदिर की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राम मंदिर तक आने जाने वाले सभी रास्तों पर सुरक्षा बरती जा रही है, जबकि मंदिर के मुख्य द्वार पर जांच के लिए मेटल डिटेक्टर लगा दिया गया है। रामराजा मंदिर के पीछे व आसपास पुलिस की गश्त को तेज



कर दिया गया है। वहीं, मंदिर परिसर में अब मोबाइल लेकर जाना भी वर्जित कर दिया गया है। कई स्तरों पर सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। हालांकि इस व्यवस्था से मंदर पहुंच रहे किसी भी श्रृद्धालु को कोई तकलीफ ना हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम ओरछा के राजा हैं और बेटे भी इसी कारण से उन्हें रामलाला भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि ओरछा के राजा

मधुकशशाह ने अपनी पत्नी गणेश कुंवरी से कहा था कि अगर तुम रामभक्त हो तो राम को ओरछा लेकर आओ। राजा की ये बात रानी को बुरी लगी और वो भगवान राम को ओरछा लाने के लिए निकल पड़ीं। रानी अयोध्या गई और सरयू नदी के किनारे कठोर तपस्या कि लेकिन लंबी तपस्ी के बाद जब भगवान राम के दर्शन नहीं हुए तो उन्होंने अपना प्रण त्यागने का प्रण किया।